



न्यूज ब्रीफ

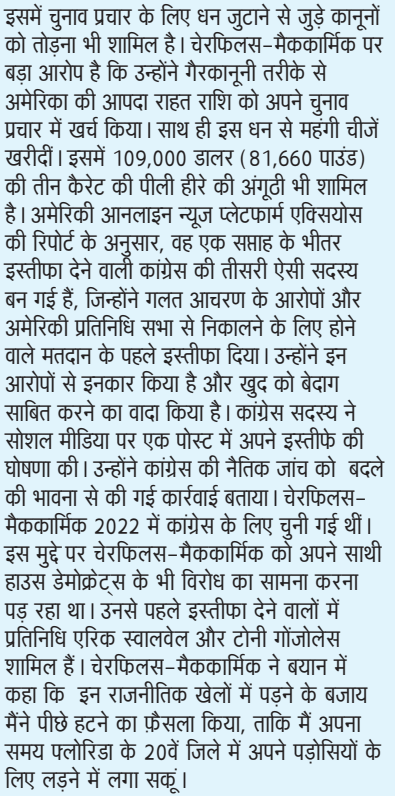
बातचीत से हल नहीं निकला तो अमेरिका के लिए ईरान बन जाएगा नासूर, मिसाइल और ड्रोन हैं भरपूर



तेरतार। ईरान के संसद में मुख मोहम्मद बाग़र काबिबाफ ने हालिया बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ट्रंप युद्ध विराम का उल्लंघन और घेराबंदी कर बावतची की मेज को समर्पण की मेज में बदलना चाहते हैं या फिर नई जंग का बहाना ढूँढ़ रहे हैं। काबिबाफ ने चेतावनी दी कि हम धमकियों की छाया में बावतची स्वीकार नहीं करेंगे। पिछले दो हफ्तों में हमने युद्धबंद पर नए कार्ड दिखाए की पूरी तैयारी कर ली है। ईरान के विदेश मंत्रालय की भी यही रुख देरहाया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध विराम की स्थिति बेहद नाजुक है। दोनों पक्षों के बीच दो हफ्तों का युद्ध विराम खत्म होने वाला है, लेकिन श्रवणिको लेकर कोकर कोकर साफ तस्वीर नहीं दिख रही है। पाकिस्तान में दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर भी स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम बुधवार शाम को खत्म हो जाएगा और इसे बढ़ाने की संभावना बहुत कम है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सैन्य और खुफिया अधिकारियों का अनुमान है कि ट्रंप हफ्तों के युद्ध के बिसाड़ ईरान के पक्ष अब भी डोनाल्ड ट्रंप 40 फीसदी और मासाइल लॉन्चरों के 60 फीसदी से ज्यादा स्टॉक है।

डेमोक्रेट शीला चेरफिलस-नैककार्मिक का प्रतिनिधि सभा से इस्तीफा

वाशिंगटन। अमेरिका में ईरान युद्ध से मची उथल-पुथल के बीच डेमोक्रेट शीला वेलेपिलस-मैककार्मिक ने कांग्रेस के निचले सदन प्रतिनिधि सभा से इस्तीफा दे दिया। उनका त्यागपत्र एक जांच के बाद आया है। इसमें पाया गया कि उन्होंने 20 से अधिक नैतिक नियमों का उल्लंघन किया



भारतीय छात्रों का विदेश में पढ़ाई करना मुश्किल! अमेरिका ने 61फीसदी छात्रों को किया रिजेक्ट

शारिफा। संयुक्त राज्य अमेरिका में 2025 में एफ-1 वीजा के लिए आवेदन करने वाले 61 फीसदी भारतीय छात्रों को रीजेक्ट कर दिया गया है। यह दर 2023 के 36 फीसदी और 2024 के 53 फीसदी के मुकाबले काफी ज्यादा है, जिससे साफ है कि वीजा मिलना अब पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञ का मानना है कि यह केवल छात्रों की योग्यता का मामला नहीं, बल्कि इसमें जियोप्राफी फैक्टर भी काम कर रहा है। यूरोप के छात्रों को जहां 90 फीसदी से ज्यादा की मंजूरी मिलती है, वहीं भारतीय छात्रों को रीजेक्ट कर दिया जाता है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या वीजा प्रक्रिया में क्षेत्रीय असमानता बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक आस्ट्रेलिया में भी अपनी वीजा नीति सख्त कर दी है। 2026 की शुरुआत में करीब 40 फीसदी भारतीय छात्र वीजा आवेदन खारिज कर गए हैं। इतना ही नहीं भारत को अब हाई-रिस्क केटेगरी में डाल दिया गया है, जिसके तहत छात्रों को ज्यादा फाइनंशियल दस्तावेज, विस्तृत अकादमिक रिकार्ड और मजबूत स्टेटमेंट देना होगा। कनाडा में भी स्थिति आसानी नहीं है। 2025 में स्टडी पर्सिट की संख्या 64 फीसदी तक घटा दी गई और 2026 में भी इसमें और 71 फीसदी कटौती का फैसला लिया गया है।

ट्रंप बोले, बढ़ा रहा हूं संघर्ष विराम, करूंगा ईरान के साझा प्रस्ताव का इंतजार, पाक में बातचीत की मेज सूनी, लेबनान-इजराइल करीब आए

वाशिंगटन/तेहरान/इस्लामाबाद
अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस बार ईरान के साथ अनधिकृत सौंधाल (युद्ध विराम) संधि (कानून) का एलान किया है। वह चाहते हैं कि ईरान एक बार फिर बातचीत की मेज पर लौटे। इस्लामाबाद में शांति वार्ता के लिए कुर्सी और इस्लाम जवाब चुके। फाकिस्तान को ट्रंप के ताजा रुख से ईरान के भी नरम हो जाने की उम्मीद है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मौलाना ब्राह्मोषणा की कि वह ईरान के साथ संधि संधि कर को तय कर के लिए बातचीत करें हैं जब तक कि उनके नेता और तत्तिनिधि कोई एक साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते। उनके इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि बहुत हो गया। अब वस संधि वस संधि के साथ सीमा को आगे नहीं बढ़ाएंगे। इसके अलावा लेबनान और इसराइल के बीच शांति और मुलाकात की बड़ी उम्मीद जगी है। दोनों गुरुवार को बातचीत की। बज्र पर बैठने वाले हैं।

सबीएसएन न्यूज और अल जजीरा को रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए एक बेहतर तरीका समझौता हो जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान के पास शांति वार्ता के एक दौर में शामिल होने के अवसर को और विकल्प नहीं है, भले ही वहां का सरकार यह कह रही है कि इस हफ्ते पाकिस्तान में वाली बातचीत में शामिल होने की उसकी कोई योजना नहीं है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका नाकाबंदी खत्म कर देता है, तो ईरान के साथ कभी कोई समझौता नहीं हो सकता।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दृढ़ सोशल प्रेस पोस्ट किया कि ईरान ने हमें चुनौती नहीं चाहता कि होमूज जलजलडमस्ख बंद हो। अमेरिका ने उसे बंद कर दिया है, इसलिए वह अपना उद्देश्य बचाने के लिए बेवजह की बात कर रहा है। उन्होंने कहा, चार दिन पहले कुछ लोग मेरे पास आए और कहा ईरान चाहता है अमेरिका तुरंत होमूज जलजलडमस्ख को खोल दे। मैंने कहा कि अगर ऐसा कर दूंगा तो ईरान के साथ कभी कोई समझौता नहीं होगा, जब तक कि हम उनसे बाकी देशों की और उनके नेताओं को उखाड़ दें।

इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा है कि अमेरिका गुरुवार को वाशिंगटन में इजराइल और लेबनान के बीच राजदूतस्तरीय वार्ता के



हूएर दोर की मेजबानी करेगा। अधिकारी ने कहा, हूएर दोनों सरकारों के बीच सीमा अंशद्वारापूर्ण करने की सुविधाजनक बनाया जारी रखेंगे। दोनों देशों के बीच होने वाली बातचीत में अमेरिकी विदेशमंत्री को रूचि थी, इंजराइल में अमेरिकी राजदुत हाक हाकाब अमेरिकी में इंजराइल राजदुत येफिएल लीटर, लेबनान में अमेरिकी राजदुत मिशेल इस्सा, अमेरिका लेबनानी राजदुत हमामदेह और विदेश विभाग कार्डेसर मास्क नीमप शामिल हो सकते हैं। वाता व पहला दोर 14 अप्रैल को हुआ था। इसमें इंजराइल और लेबनान की अमेरिकी राष्ट्रपति संघ में आए बदलाव हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति के सचिव आर्ग बद्दलाव के बीच यूएस सेटल कर्मांड का कहना है कि संघर्ष विराम के दौरान भी सेना की सभी शाखाएं युद्ध के लिए तैयार हैं। कर्मांड की एक वीडियो क्लिप में लड़क निया जहाज और अमेरिकी सैनिक दिखाई दे रहे हैं। साथ ही कर्मांड एडमिरल ब्रैंड कुपर रक्षा सचिव पीट हेगसेस साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नजर आए रहते हैं। कुपर

प्रेस काफ़ी से कम है, हम फिर से हथियार जुटा रहे हैं। हम खुद को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं और अपनी रणनीति और तकनीक में बदलाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में कोई भी ऐसी सेना नहीं है जो हमें तुल्य ख़ुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल सके और यदुपयुक्त के सप्त दौर में हम जोर की गति कर रहे हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों का मानना है कि अमेरिका के ख़ूब में आई नरमी के बाद ईरान भी वैसा ही जवाब देगा। अधिकारियों का कहना है कि बंद दरवाज़ों के पीछे असली कूटनीति चल रही है। उम्मीद है ईरान वापस वात के मेस पर चर्चा आएगा। उधर, पाकिस्तान ने शांति वार्ता के लिए सभी जरूरी इंतज़ाम किए हैं। राजधानी इस्लामाबाद में स्कूल और सफ़र बंद हैं। रेल को का दायर बढ़ा दिया गया है। मध्यस्थों की हर मुमकिन कोशिश है कि ऐसा माहौल बनाया जा सके जहाँ दोनों पक्ष आकर आपस में बातचीत कर सकें। पाकिस्तान दोनों पक्षों को साझा मुद्दों पर एक साथ लाने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिकी सहायक विदेशमंत्री समीर पाल कपूर का तीन दिवसीय नेपाल दौरा पूरा, स्वदेश खाना

काठमांडू

अमेरिकी विदेश मंत्रालय में दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों के सहायक विदेशमंत्री समीर पाल कपूर तीन दिवसीय नेपाल दौरा पूरा कर स्वदेश रवाना हो गए। इस दौरान उन्होंने उच्चस्तरीय बैठकों में नेपाल-अमेरिका साझेदारी को मजबूत करने और व्यापारिक संबंधों के विस्तार पर चर्चा की। नेपाल स्थित अमेरिकी दूतावास ने यह जानकारी दी।



लामिछाने, विदेशमंत्री शिशिर खनाल और वित्तमंत्री डा. स्वर्णिम वाग्ले से अलग-अलग मुलाकात की।

कपूर ने अमेरिका में होने वाले निवेश सम्मेलन में भाग लेने जा रहे नेपाली प्रतिनिधिमंडल के साथ भी संभावित अमेरिकी निवेश के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिकी और नेपाली निजी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर नेपाल के

तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं की तलाश की। अपने दौरे के दौरान उन्होंने नेपाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का भी अवलोकन किया। उन्होंने बौद्धनाथ स्तूप और पाटन दरबार स्थावर का भ्रमण किया। इन धरोहरों के संरक्षण के लिए अमेरिकी एन्वेस्टर्स फंड फाउण्डेशन प्रिजर्वेशन के माध्यम से सहयोग करता रहा है।

एफ-15ईएक्स अमेरिका को नई पेशकश, राफेल सोर्स कोड विवाद का उठाना चाहता है फायदा

**अमेरिका ने ऐसा प्रस्ताव दिया
जिससे उसकी ईमानदारी पर
हो रहे सवाल खड़े**

वाशिंगटन

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल हरीप्रताप सिंह ने अमेरिका के नेवादा के नेलिस एयर फोर्स बेस पर एक बोईंग एफ-15ई स्क्राइपिन-2 फाउंटर जेट में एक फैमिलियरिज़ेशन रीट्रेंड उड़ान भरी। इसके बाद से ही चर्चा की जा रही है कि क्या भारत राफेल के अलावा अमेरिकी इंडर जेट से भी दिलचस्पी दिखा रहा है। राफेल का 35 से 40 अरब डालर के बीच होने की मानावा है लेकिन सोर्स का सोझ को लेकर पेंच फंसा फ्रांस राफेल का सोझ कोड शेयर करने से कांफ्रस्ट रह रहा है जबकि भारत हर हाल में मेक इन इंडिया के तहत विमानों का निर्माण चाहता है ताकि



किसी और देश पर निर्भरता ना रहे और घरेलू उद्योग को फायदा पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और अमेरिकी वायुसेना के अधिकारी नियमित तौर पर

एक दूसरे देश का दौरा करते रहते हैं जिसका मकसद एक मजबूत संबंध बनाना होता है। इस दौरा इंटर-अपरेबिलिटी, संयुक्त प्रशिक्षण, इंडो-पैसिफिक में साझा रणनीतिक प्राथमिकताओं और आधुनिकीकरण पर चर्चा होती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय वायुसेना के पूर्व पायलट विजयन्द्र के जवूर ने लिखा कि एयर चीफ मार्शल एफ़ी सिंह के दौरों का मकसद शायद अमेरिकी विमानों को लेकर भारतीय वायुसेना विशेष में नहीं है ये दिखाना हो सकता है। उन्होंने कहा है कि भारत को एमएमआरसीए खरीद प्रक्रिया में अमेरिका ने भारतीय वायुसेना के सामने अपने एफ-16 और एफ-18 लड़ाकू विमानों का प्रस्ताव रखा था लेकिन आईएफए ने राफेल खरीदने का फैसला किया। हालाँकि भारत ने टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर ममभेद की वजह से राफेल को लेकर एमएमआरसीए सौदा नहीं किया और अंत में 2018 में 36 राफेल सौदा किया गया।

एमएमआरसीए प्रोग्राम को बंद करने के बाद

भारत ने मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम शुरू किया और अमेरिका की एफ-15ईएस्स लड़ाकू वायुसेना इसमें काफी बात में शामिल हुआ था। नई दिल्ली ने सबसे पहले अक्टूबर 2020 में एफ-15ईएस्स में अपनी दिलचस्पी दिखाई थी। यह एक समय की बात है जब अमेरिका वायुसेना को बोंगोंग को करीब 1.2 अरब डॉलर का एक अनुबंध दे चुका था। इस अनुबंध के तहत बोंगोंग को 8 एफ-15ईएस्स एक्वांस लड़ाकू विमानों का पहला जत्था तैयार करना था ताकि वायुसेना अपनी लड़ाकू बंदेगी जरूरतों को पूरा कर सके और अपने लड़ाकू बंदेगी की ताकत में और ज्यादा इजाफा कर सके। वायुसेना राफेल को पहली पसंद बता चुकी थी और एफ-15ईएस्स के लिए अमेरिका की विदेशीय शक्ति का मकसद राफेल सौंपने की ओर ले जा सकता है। वायुसेना को लेजर एग्रेसिव डेटा हो सकता है। किजियेन्द्र का मानना है कि वायुसेना ऐसे किसी भ्रामक प्रस्ताव को लेकर अगर बंदेगी इस बात की संभावना नगण्य है।

दिए। इस मौके पर डीआरयूसीसी रेलवे समिति के सदस्य एन.डी. तिवारी को शॉल देकर सम्मानित किया गया। तिवारी ने डीआरएम से पेगापल्ली रेलवे स्टेशन जंक्शन पर कई सुपरफास्ट ट्रेनों के ठहराव का अनुरोध किया। जिन ट्रेनों के ठहराव का अनुरोध किया गया, उनके नाम हैं— तेलंगाना एक्सप्रेस, सिन्दराबाद-नागपुर एक्सप्रेस, मैसूर-जयपुर एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस और भगत की कोटि एक्सप्रेस। इसके बाद तिवारी ने डीआरएम गारिनी एन.डी. तिवारी (डीआरएम को) को एक ज्ञापन सौंपा।

गणेश पुराण के अनुसार भगवान गणेश का चूहा पूर्व जन्म में एक गंधर्व था



गणेश पुराण के अनुसार भगवान गणेश का चूहा पूर्व जन्म में एक गंधर्व था जिसका नाम क्रोच था। एक बार देवराज इंद्र की सभा में गलती से क्रोच का पैर मुनि वामदेव के ऊपर पड़ गया। मुनि वामदेव को लगा कि क्रोच ने उनके

साथ शरारत की है। इसलिए गुस्से में आकर उन्होंने उसे चूहा बनने का शाप दे दिया। उस शाप के कारण क्रोच एक चूहा बन चुका था। लेकिन वह विशालकाय था। वह इतना विशाल था कि अपने रास्ते में आने वाली सभी चीजों

को नष्ट कर देता था। ऐसे ही एक बार वह किसी तरह महर्षि पराशर के आश्रम में पहुँच गया। वहाँ पहुँच कर उसने अपनी आदत के अनुसार मिट्टी के सारे पात्र तोड़ दिये। इतना ही नहीं वह वहाँ उत्पात मचाने लगा। उसने आश्रम की वाटिका

उजाड़ डाली और सारे वस्त्रों और ग्रंथों को कुतर दिया। उस समय महर्षि के आश्रम में भगवान गणेश भी आये हुए थे। महर्षि पराशर ने यह बात गणेश जी को बताई। भगवान गणेश ने तब उस मूषक को सबक सिखाने की सोची।

उन्होंने मूषक को पकड़ने के लिये अपना पाश फेंका। पाश मूषक का पीछा करता हुआ पाताल लोक तक पहुँचा। वह पाश मूषक के गले में अटक गया। पाश की पकड़ से मूषक बेहोश हो गया था। मूषक पाश में घिसटता हुआ भगवान गणेश के सम्मुख उपस्थित हुआ। जैसे ही उसे होश आया उसने अपने आप को भगवान गणेश के सम्मुख पाया। बिना देरी किये मूषक ने गणेश जी की आराधना शुरू कर दी और अपने प्राणों की भीख मांगने लगा। गणेश जी मूषक की आराधना से प्रसन्न हो गए और उससे कहा कि, 'तुमने लोगों को बहुत कष्ट दिया है। मैंने दुष्टों के नाश एवं साधु पुरुषों के कल्याण के लिए ही अवतार लिया है, लेकिन शरणागत की रक्षा भी मेरा परम धर्म है, इसलिए जो वरदान चाहो माँग लो।'

यह सुनकर वह उत्पाती मूषक अहंकार से भर उठा और भगवान गणेश से बोला, 'मुझे आपसे कुछ नहीं चाहिए, लेकिन यदि आप चाहें तो मुझसे वर की याचना कर सकते हैं।' मूषक की गर्व भरी वाणी सुनकर गणेश जी मन ही मन मुस्कराये और कहा, 'यदि तेरा वचन सत्य है तो तू मेरा वाहन बन जा। मूषक ने बिना देरी किये 'तथास्तु' कह दिया गणेश जी मुस्कराते हुए तुरंत उस पर सवार हो गए। अब भारी-भरकम गजानन के भार से दब कर मूषक के प्राण संकट में आ गये। तब उसने गजानन से प्रार्थना की कि वे अपना भार उसके वहन करने योग्य बना लें। इस तरह मूषक का गर्व चूर कर गणेश जी ने उसे अपना वाहन बना लिया। यही कारण है कि आज भी लोग अपने घरों में चूहों के उत्पात मचाने पर भगवान गणेश को याद करते हैं।

40 करोड़ वर्ष पुरानी इस गुफा में गणेश जी के बड़े भाई मुरुगन रहते हैं



सांस्कृतिक विविधता वाला देश मलेशिया यूं तो एक मुस्लिम बहुल राष्ट्र है, लेकिन अन्य धर्मों के प्रति यह हमेशा उदार रहा है। यहां मलय, चीनी व भारतीय सभ्यताओं का अद्भुत मिश्रण है। पारंपरिक शैली में बनी मस्जिदें हों या बौद्ध मंदिर सभी पर्यटकों के बीच आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहते हैं। ऐसा ही एक दर्शनीय स्थल है बाटु केक्स (बाटु गुफाएं) जो हिंदुओं की आस्था व मान्यताओं का केंद्र है। प्राचीन समय में नजदीक से गुजरने वाली एक नदी सुंगई बातु (पथरीली नदी) के नाम पर ही इन गुफाओं का नाम बाटु केक्स पड़ा। राजधानी कुआलालंपुर से महज 15

किलोमीटर की दूरी पर स्थित चूना पत्थर (लाइमस्टोन) की ये गुफाएं लगभग 40 करोड़ वर्ष पुरानी हैं। इन्हीं में से सबसे बड़ी प्रमुख गुफा में स्थित है भगवान मुरुगन (कार्तिकेय जी) यानी भगवान श्री गणेश जी के बड़े भाई का प्राचीन मंदिर। यह मंदिर सतह से करीब 400 फुट की ऊंचाई पर बना 113 वर्ष पुराना है। मंदिर तमिल हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। भगवान के दर्शन के लिए श्रद्धालु 272 सीढ़ियां चढ़कर गुफा तक पहुंचते हैं। चर्चिंदर को चारों तरफ से घेरे हुए चूना पत्थर के पहाड़ ऊपर से संकरे होते चले जाते हैं। पहाड़ों की ऊंचाई और चट्टानों के बीच

से जगह पाकर निकल आए पेड़ों की वजह से सूरज की रोशनी मंदिर परिसर तक बहुत ही कम पहुंच पाती है। बारिश के मौसम में पेड़ों से छन कर गिरने वाली बारिश की बूंदें अद्भुत नजारा पेश करती हैं। गुफा पूरी तरह से प्राकृतिक अवस्था में है। हालांकि कृत्रिम प्रकाश द्वारा रोशनी की गई है। मंदिर तक पहुंचने के लिए 1920 तक लकड़ी से बनी सीढ़ियां थी जिन्हें बाद में सीमेंट से पक्का कर दिया गया। ये गुफाएं पर्यटकों के लिए प्रतिदिन खुलती हैं। यहां आने वाले लोग गुफाओं व मंदिर के इतिहास के बारे में यहां लगी अनेक पट्टिकाओं द्वारा जान सकते हैं।

श्रीकृष्ण के वचन...



श्रीमद्भगवद्गीता में हमें जीवनोपदेशक कृष्ण के दर्शन होते हैं। गीता जयंती पर जानें गीता में कृष्ण के कुछ उपयोगी वचन हे अर्जुन। तेरा कर्म करने में ही अधिकार है, उसके फलों में नहीं। इसलिए तू कर्मों के फल का हेतु न बन तथा तेरी कर्म न करने में भी आसक्ति न हो। विषयों का चिंतन करते रहने से मनुष्य के मन में उनके प्रति आसक्ति पैदा होती है, जो चाह को जन्म देती है। इससे क्रोध उत्पन्न होता है। क्रोध से चित्त में मोह उत्पन्न होता है, मोह से स्मृति-विभ्रम पैदा हो जाता है। स्मृति के लोप से उचित-अनुचित का विचार करने वाली बुद्धि नष्ट हो जाती है और बुद्धि के नाश से स्वयं मनुष्य का ही नाश हो जाता है। जो मूढ़बुद्धि इंद्रियों को हठपूर्वक रोक कर मन से उनका चिंतन करता है, वह मिथ्याचारी है। जो इंद्रियों को मन से संयत कर निरासक होता है, वही कर्मयोग का आचरण श्रेष्ठ है। जो सब भावों में द्वेष भाव से रहित, स्वार्थ रहित, सबका प्रेमी और हेतु रहित दयालु है तथा ममता व अहंकार से रहित सुख-दुख में समान और क्षमावान है, निरंतर संतुष्ट है, मन सहित शरीर को वश में किए है और दृढ़ निश्चय वाला है, वह भक्त मुझको प्रिय है। मन की प्रसन्नता, शांत भाव, भगवत चिंतन का स्वभाव, मन का निग्रह और अंतःकरण के भावों की पवित्रता मन संबंधी तप कहे जाते हैं।

हनुमान ने नहीं,

देवी के इस श्राप ने किया था लंका को भस्म

लंका स्वर्ण से बनी नगरी थी। इस बनाने का आदेश भगवान शिव ने विश्वकर्मा को दिया था। लेकिन ऐसा क्या हुआ था जिससे भगवान शिव को लंका नगरी बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा था। एक बार भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी भ्रमण के लिए कैलाश पर्वत पहुँचे। दोनों को आता देख भगवान शिव विहल हो उठे। उन्होंने अपने कमर पर लिपटे गजकर्म को अपने सर्प से कौपीन (कमरबंद) की भाँति लपेट लिया। नजदीक आते ही भगवान शिव ने विष्णु को गले से लगा लिया। परंतु गरुड़ को देखकर शिव-सर्प संकुचित हो गया जिससे उनकी कौपीन खिसक कर गिर गई। भगवान शिव को नग्न अवस्था में देख लक्ष्मी और पार्वती बड़ी लज्जित हुईं और सिर झुकाकर खड़ी हो गईं। स्थिति सामान्य होते ही शिव विष्णु से और लक्ष्मी पार्वती से बातें करने लगी। उस दौरान लक्ष्मी शीत से ठिठुर रही थी। जब उनसे न रहा गया तो उन्होंने पार्वती से कहा कि आप राजकुमारी होते हुए भी इस हिम-पर्वत पर इतने ठंड में कैसे रह रहीं हैं। कुछ दिन बीतने के बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के निमंत्रण पर भगवान शिव और पार्वती बैकुण्ठ गए। वहाँ मोतियों की माला और अन्य वैभव देख पार्वती चकित हुए बिना न रह सकी। बातचीत के दौरान लक्ष्मी जी ने कैलाश पर शीत से ठिठुरने वाली घटना का जिक्र कर दिया। लक्ष्मी की

बात को व्यंग्य समझ माता पार्वती आहत हो गईं और भगवान शिव से अपने लिए भी घर बनाने की ज़िद करने लगी। उसके पश्चात शिव ने विश्वकर्मा को सुवर्ण जडित दिव्य भवन निर्मित करने को कहा। विश्वकर्मा ने शीघ्र ही लंका नगर की रचना की जो शुद्ध सोने से बनी थी। पार्वती के निवेदन पर उस नगर का प्रतिष्ठा

महोत्सव मनाया गया जिसमें समस्त देवी देवताओं को बुलाया गया। विश्रवा नामक महर्षि ने उस नगर की वास्तुप्रतिष्ठा की। पार्वती ने लक्ष्मी को अपना भवन विशेष चाव से दिखाया। लेकिन जब भगवान शिव ने महर्षि विश्रवा से

दक्षिणा माँगने को कहा तो उन्होंने वो नगरी ही माँग ली। शिव ने तत्काल ही स्वर्णनगरी उन्हें दक्षिणा में दे दी। इससे पार्वती बड़ी क्रोधित हुईं और उन्होंने विश्रवा को श्राप देते हुए कहा कि तेरी यह नगरी भस्म हो जाए। पार्वती के श्राप के कारण ही रावण द्वारा रक्षित वह लंका हनुमान ने फूँक डाली थी।



क्यों चुना गया कुरुक्षेत्र की भूमि को महाभारत युद्ध के लिए

माना जाता है कि स्थान और परिवेश के अनुसार व्यक्ति की मनोस्थिति बनती और बिगड़ती है। हम सभी जानते हैं कि महाभारत में धर्म और अधर्म की लड़ाई कुरुक्षेत्र में लड़ी गई, पर क्या आपको पता है कि इस लड़ाई के लिए कुरुक्षेत्र की भूमि को क्यों चुना गया महाभारत के युद्ध के लिए कुरुक्षेत्र के मैदान को चुने जाने का निर्णय भगवान श्री कृष्ण जी का था। भगवान



श्रीकृष्ण के इस निर्णय के पीछे एक अद्भुत कहानी है। जब महाभारत के युद्ध को टालना मुश्किल हो गया तब भगवान श्री कृष्ण के ऊपर युद्ध के लिए भूमि का चुनाव करने का जिम्मा आ गया। श्रीकृष्ण एक ऐसी युद्ध भूमि चाहते थे जिसका इतिहास बहुत ही भयभीत और कठोर रहा हो। भगवान श्रीकृष्ण को भय इस बात के लिए था कि कहीं युद्ध भूमि में कौरव और पांडव एक दूसरे को मरते देखकर कहीं सन्धि न कर बैठें इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनी चाहिए, जहाँ क्रोध और द्वेष का इतिहास रहा हो। श्री कृष्ण जानते थे यह युद्ध धर्म के लिए लड़ा जा रहा है जहाँ दोनों ओर अपने ही

परिवार के लोग होंगे। यह युद्ध भाई-भाइयों, गुरु-शिष्य, सम्बन्धी-कुटुम्बियों के बीच का है इसलिए श्रीकृष्ण का विचार था कि योद्धाओं के मन में एक-दूसरे के प्रति कठोरता का भाव शिखर पर हो। इस विचार से श्रीकृष्ण जी ने अनेक दूतों को विभिन्न दिशाओं में भेजा ताकि वह युद्ध के लिए भयभीत और कठोर भूमि का पता लगा सकें।

वापस आने के बाद एक दूत ने सुनाया कि- एक स्थान है जहाँ बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ से बहते हुए मेघ के पानी को रोकने के लिए कहा। छोटे भाई ने बड़े भाई से एतराज जताया और उलाहना देते हुए कहा कि- आप ही क्यों नहीं बंद कर देते हैं। मैं आपका गुलाम नहीं हूँ। यह सुन बड़े भाई क्रोधित हुए। आवेश में

आकर बड़े भाई ने छोटे भाई को छुरे से मार दिया। बड़े भाई ने क्रूरता की सारी हदे पार कर अपने छोटे भाई की लाश को घसीटते हुए उस मेंड़ के पास ले गए, और उस लाश को पैर से कुचलकर बहते पानी को रोक दिया। यह सुनकर श्रीकृष्ण ने निश्चय किया कि यह भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए सबसे उपयुक्त स्थान है।

इस स्थान का इतिहास योद्धाओं के मस्तिष्क पर हावी हो जायगा। यह स्थान कोई और नहीं कुरुक्षेत्र ही था। यही वह स्थान था जहाँ बड़े-बड़े सूर-वीरों का अंत होना था। महाभारत की इस कथा से स्पष्ट होता है कि शुभ और अशुभ विचारों एवं कर्मों के संस्कार भूमि या स्थान में देर तक समाये रहते हैं।

कौन से पक्षी को क्या व क्यों खिलाए जिससे हमें धन; वैभव प्राप्त हो

ऋषि-मुनि, संत-महात्मा सही कह गए हैं कि पशु-पक्षियों को दाना-पानी खिलाने से मनुष्य के जीवन में आने वाली कई परेशानियों से छुटकारा आसानी से मिल जाता है। एक ओर जहाँ हम प्रभु की भक्ति के कृपा पात्र बनते हैं वहीं हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ ही पुण्य-लाभ भी प्राप्त होता है। साथ ही यह पर्यावरण के लिए जरूरी है। अगर आपके मन में भी दिनभर बेचैनी रहती है। आपके काम ठीक समय पर पूरे नहीं हो

रहे हैं। पारिवारिक क्लेश नियमित रूप से चलता रहता है। स्वास्थ्य ठीक नहीं है आदि तो निश्चित ही आपको पक्षियों को दाना खिलाने से आनंद की प्राप्ति होगी और कष्ट दूर हो जाएंगे। चींटियाँ, चिड़ियों, गिलहरियाँ, कबूतर, तोता, कौआ और अन्य पक्षियों के झुंड और गाय, कुत्तों को नियमित दाना-पानी देने से आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी।

परिदों की भूख मिटाएं, ग्रह पीड़ा हटाएं-कुडली में यदि राहु-केतु की महादशा हो तो पशु-पक्षियों को बाजरा डालना चाहिए।

पशु-पक्षियों को ज्वार खिलाने से शुक्र ग्रह की पीड़ा दूर होती है। गेहूँ खिलाने से सूर्य की पीड़ा दूर होती है। चावल से मानसिक परेशानियाँ दूर होकर मानसिक शांति मिलती है। मूँग की दाल से बुध ग्रह से होने वाली परेशानियों से निजात पाई जा सकती है।

चने की दाल से गुरु की कृपा प्राप्त होती है। कौओं और कुत्तों को ग्रास देने से शनि, राहु और केतु प्रसन्न होते हैं। गिलहरियों को बाजरा, बिस्किट, रोटी खिलाने से जीवन में आने वाली हर कठिनाई से आसानी मुक्ति मिल जाती है।



कुक के पास हैं 2.9 अरब डालर की संपत्ति, आलीशान हवेलियां, महंगी प्रापटीज

नई दिल्ली

करीब 15 सालों तक एप्पल कंपनी की कमान संभालने के बाद टिम कुक अब सीईओ का पद छोड़ रहे हैं और कार्यकारी अध्यक्ष की नई भूमिका निभाएंगे। उनकी जगह अब जान र्नर्स एप्पल के नए सीईओ होंगे। टिम कुक का कार्यकाल ऐतिहासिक रहा है, क्योंकि उनके नेतृत्व में एप्पल की वैल्यू 350 अरब डालर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गई। अपनी इस अपार सफलता के साथ, टिम कुक ने एक बेहद अनुशासित लेकिन आलीशान जीवनशैली

बनाई है। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी कुल संपत्ति करीब 2.9 अरब डालर है। उनके पास न केवल एप्पल के करोड़ों के शेयर्स हैं, बल्कि उन्होंने रियल एस्टेट में भी एक बड़ा निवेश किया है। कुक अपनी सादगी के लिए जाने जाते हैं और सालों तक वह कैलिफोर्निया के पालो आल्तो में एक साधारण घर में रहे। हालांकि, पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपनी संपत्ति का विस्तार किया। रिपोर्ट के मुताबिक कुक का रियल एस्टेट पोर्टफोलियो उनकी सफलता और उनकी निजी पसंद के बीच के संतुलन को दिखाता है, जहां एक तरफ सादगी है, तो दूसरी तरफ दुनिया के सबसे सफल व्यक्तियों वाली भव्यता भी। रिपोर्ट के मुताबिक पालो आल्तो में टिम कुक का निवास 2,400 वर्ग फुट में फैला है, जो साधारण होने के साथ-साथ वैभवशाली भी है।

एसयूवी साइरोस का नया अवतार एमवाय26 लान्च

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय काम्यूबेट एसयूवी साइरोस का नया अवतार एमवाय26 लान किया है। रुपए 8.39 लाख की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत के साथ, किआ का उद्देश्य उन ग्राहकों को लुभाना है जो कम बजट में हाई-टेक फीचर्स वाली एसयूवी की तलाश में हैं। यह अपडेटेड माडल एक ताजा लुक, कई नए वैरिएंट्स और पहले से अधिक विकल्पों में प्रीमियम फीचर्स उपलब्ध कराकर ग्राहकों को आकर्षित करने का लक्ष्य रखता है। नई साइरोस एमवाय 26 पहले से कहीं ज्यादा स्पोर्टी और आधुनिक दिखती है। इसके सामने वाले हिस्से यानी फ्रंट फेंडिया को पूरी तरह से नया बंपर, बाड़ी-कलर्ड एंसे इंसर्ट्स और चमकदार ब्लैक रिकड प्लेट्स के साथ बदल दिया गया है, जिसमें खूबसूरती से एकीकृत एलईडी फाग लैंप्स हैं। गाड़ी के पिछले हिस्से में भी नया बंपर और एक नई स्ट्या लैप मिलती है, जबकि ग्लास ब्लैक रूफ रेल्स और नए स्टाइल वाली 17-इंच के क्रिस्टल-कट अलाय व्हील्स इसके साइड प्रोफाइल को बढ़ाते हैं। इटीरियर और फीचर्स के मामले में, किआ ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। कार के अंदर एक विशाल 30-इंच की पैनोरमिक डिस्प्ले है जो इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दोनों का काम करती है। इसमें डुअल-पैन पैनोरमिक सनरूफ दी गई है।



न्यूज़ ब्रीफ

विदेश यात्रा के नियम बदले, बिना पेन कार्ड वालों को अब भरना होगा फार्म-157



नई दिल्ली। विदेश यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। एक नई व्यवस्था लागू होगी, जिसके तहत पेन कार्ड न रखने वाले यात्रियों को अब विदेश जाने से पहले फार्म 157 भरना अनिवार्य होगा। यह नियम खासकर उन लोगों के लिए है जो आयकर के दायरे में नहीं आते या जिनके पास स्थायी खाता संख्या (पेन) नहीं है। आयकर अधिनियम 2025 और नियम 2026 के तहत लागू इस प्रणाली का लक्ष्य उन यात्रियों का रिकार्ड रखना है जो आयकर के दायरे में नहीं आते। इसका उद्देश्य कर प्रणाली को सुदृढ़ करना और यात्रा डेटा को बेहतर ढंग से ट्रैक करना है। हालांकि, जिन यात्रियों के पास पेन कार्ड है और जो नियमित रूप से आयकर रिटर्न (आइटीआर) दाखिल करते हैं, उन्हें इस फार्म को भरने की आवश्यकता नहीं होगी। यह फार्म 157 एक स्व-घोषणा प्रमाण पत्र है, जो पुराने फार्म 156 का स्थान लेगा। यह ड्यूटी-आधारित फार्म है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक विदेश यात्रा के लिए इसे अलग से भरना अनिवार्य होगा। इस फार्म को आनलाइन जमा करने की सुविधा नहीं होगी; यात्रियों को इसे संबंधित क्षेत्रीय आयकर अधिकारी के पास जाकर आफलाइन जमा करना होगा। फार्म भरते समय पासपोर्ट विवरण, व्यक्तिगत जानकारी (नाम, पता), यात्रा का उद्देश्य और विदेश में रुकने की अवधि जैसी जानकारी देनी होगी। आधार कार्ड अनिवार्य नहीं है, लेकिन सत्यापन के लिए मोबाइल नंबर देना उचित होगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे इस नए नियम को यात्रा से पहले अच्छी तरह समझ लें, ताकि बाद में किसी परेशानी से बचा जा सके।

मार्च में बिकी हीरो स्लैडर की 3.32 लाख से अधिक यूनिट्स



नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में भारतीय दोपहिया वाहन बाजार में आज भी स्कूटर की बिक्री का दमदबा देखने को मिलता है। वहीं मोटरसाइकिल सेगमेंट में कुछ ऐसे मॉडल हैं जिनका आकर्षण सालों से बना हुआ है। खासकर हीरो स्लैडर का इस सेगमेंट में एकतरफा दमदबा है। बीते महीने मार्च 2026 में स्लैडर को एक बार फिर ग्राहकों ने भारी संख्या में खरीदा, और 31 दिनों के भीतर इस मोटरसाइकिल की 3.32 लाख से अधिक यूनिट्स बिक गईं। वहीं, होडा शाइन और बजाज पल्सर भी 1-1 लाख से ज्यादा यूनिट्स बेचने में कामयाब रही, जबकि रायल एनफील्ड जैसी प्रीमियम बाइक भी स्लैडर की बिक्री से काफी पीछे है। मार्च 2026 में हीरो स्लैडर की 3,32,227 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 में बिकी 3,22,529 यूनिट्स से 3.01प्रतिशत अधिक है। होडा शाइन ने मार्च 2026 में 1,73,098 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष के 1,51,142 यूनिट्स से 14.53प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। बजाज पल्सर की बिक्री में भी शानदार उछाल आया और मार्च 2026 में इसकी 1,32,248 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 की 1,06,404 यूनिट्स से 24.29प्रतिशत अधिक है। हीरो एचएफ डीलक्स की बिक्री मार्च 2026 में 85,088 यूनिट्स रही, हालांकि इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 7.33प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

आईफोन 18 प्रो माडल जल्द आ रहा है डार्क चैरी रंग में

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी ऐप्पल के आगामी आईफोन 18 प्रो माडल जल्द बाजार में उतारे जाएंगे जो कि एक नए और अद्वितीय रंग डार्क चैरी कलर का होगा। यह माडल पिछले आईफोन

17 प्रो के कास्मिक ऑरेंज की जगह लेगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह गहरा, वाइन जैसा रंग आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स के लिए खास फिनिश होगा, जिससे ये माडल और भी प्रीमियम दिखेंगे। सिल्वर में लान्च होने की उम्मीद के साथ, इन फोन्स को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है, जिसमें कई रोमांचक अपग्रेड्स की बात कही जा रही है। डार्क चैरी के अलावा, ऐप्पल हल्के नीले और गहरे ग्रे जैसे अन्य रंग विकल्पों पर भी विचार कर रहा है, साथ ही मौजूदा पीढ़ी जैसा ही एक सिल्वर वैरिएंट भी अभी विकास में है। डिजाइन के मामले में, आईफोन 18 प्रो माडल अपने पूर्ववर्तियों से काफी मिलते-जुलते होंगे, लेकिन कुछ छोटे-मोटे बदलावों के साथ। खास तौर पर, डायनेमिक आइलैंड का आकार छोटा होने की उम्मीद है, जिससे स्क्रीन पर कंटेंट के लिए अधिक जगह मिलेगी।

ट्रंप बोले...

यह घटनाक्रम इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि पहली बार अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने अगले कदम को लेकर कोई स्पष्ट समय-सीमा तय नहीं की है। इससे संकेत मिलता है कि वाशिंगटन फिलहाल सैन्य दबाव और कूटनीतिक विकल्प दोनों को खुला रखना चाहता है। पाकिस्तान और सलाहकारों को श्रेय इसके साथ ही ट्रंप ने अपनी इस रणनीति का श्रेय पाकिस्तान और अपने करीबी सलाहकारों को दिया है, जो इस पूरे संकट में मध्यस्थता और बातचीत की संभावनाओं को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं। यह स्थिति एक रुककर देखने (वेट-एंड-वॉच) वाली रणनीति को दर्शाती है, जहाँ एक तरफ बातचीत का रास्ता खुला रखा गया है, तो दूसरी तरफ दबाव भी बरकरार है।

मुनीर का...

पाकिस्तान और ईरान के बीच में 1970 के दशक से बहुत गहरे मतभेद रहे हैं। उस समय तत्कालीन राजा भारत की ओर मुड़ गए थे। उन्होंने कहा कि अगर आज ईरानी सूत्रों से बात करें तो वे इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि पाकिस्तान इतना क्यों उतावला हो रहा है। क्या पाकिस्तानी अमेरिका की ओर से काम कर रहे हैं? वे इतना दबाव क्यों डाल रहे हैं और पाकिस्तानी इस्लामाबाद आने के लिए क्यों लगातार कह रहे हैं।

पाकिस्तान से क्यों नाराज है ईरान
वहीं सीएनएन न्यूज 18 की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान खुद को अमेरिका और ईरान के बीच में मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है, लेकिन अब यह उसकी भूमिका भारी पड़ रही है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि ईरानी नेतृत्व पाकिस्तान के बैंक चैनल डिब्लोमेसी के हैंडलिंग से बहुत ज़्यादा नाखुश है। पाकिस्तान ने कथित रूप से ईरान को यह भरोसा दिया था कि वह अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ सबकुछ मैनेज कर लेगा और शांति डील को ईरान के पक्ष में कराया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि असीम मुनीर के हालिया तेहरान दौरे पर उन्हें ईरानी पक्ष ने कई डिमांड की एक लिस्ट सौंपी। इन डिमांड को कभी भी अमेरिका को नहीं बताया गया था। पाकिस्तान को यह अमेरिका को न बताना भी ईरान को काफी नागवार गुज़रा है। इससे दोनों के बीच भरोसा कम हो गया है।

ईरान इस बात से भी बहुत खफा है कि डोनाल्ड ट्रंप लगातार सार्वजनिक रूप से ईरान की आलोचना कर रहे हैं। ईरानियों का मानना ​​है कि यह पाकिस्तान के आश्वासन देने की वजह से है। खुफिया सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने अमेरिका के साथ बातचीत में ईरान के रणनीतिक महत्व को भी कम करके दिखाया, इससे भी तेहरान नाराज है।

ईरान में इस्लामाबाद के अंदर सुरक्षा खतरे और कूटनीतिक बर्ताव को लेकर आंतरिक मतभेद के बाद भी ईरानी नेता बातचीत करना चाहते थे। हालांकि अब ईरान का भरोसा कम हो गया है और वह पाकिस्तान को एक गैर भरोसेमंद मध्यस्थ के रूप में देख रहा है। सूत्रों का यह भी दावा है कि पाकिस्तान अपने संदेश देने में भी ठीक बर्ताव नहीं कर रहा है। यह न केवल ईरान बल्कि अमेरिका, रूस और चीन जैसी वैश्विक शक्तियों के मामले में है। हालात के खराब होने के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने वर्तमान राजनयिक प्रयास पर बैड फेथ का मुद्रा उठाया है।

केसीआर को...

फिलहाल राज्य सरकार उच्च न्यायालय के फैसले की समीक्षा कर रही है और जल्द ही आपली कानूनी कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

टीपीसीसी प्रमुख ने भाजपा नेतृत्व पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के पुराने बयानों की याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं कालेश्वरम को बीआरएफ नेताओं के लिए एटीएम बताया था। गौड़ ने सवाल किया, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने दावा

किया था कि सीबीआई जांच होने पर दोषी दो दिन में जेल चले जाएंगे, तो फिर केंद्र ने अब तक जांच शुरू क्यों नहीं की? किशन रेड्डी और बंडी संजय को इस चुप्ली का जवाब देना चाहिए।

कैबिनेट बैठक में तय होगी आगे की रणनीति

सूत्रों के अनुसार, तेलंगाना सरकार उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इस कानूनी रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए इस गुरुवार को राज्य कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है। मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद इस फैसले के कानूनी पहलुओं पर चर्चा करेंगे और सिंचाई परियोजना की चल रही जांच को आगे बढ़ाने के लिए भविष्य का रोडमैप तैयार करेंगे।

ईरान से...

जबकि शुक्रवार को संकेत मिले थे कि यातायात फिर शुरू हो सकता है।दोनों भारतीय झंडे वाले टैंकर कच्चा तेल ले जा रहे थे, जिनमें से एक इराक से 20 लाख बैरल तेल ला रहा था। क्रू में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, हालांकि सैनमार हेराल्ड को गोलीबारी से मामूली नुकसान हुआ।

भारत ने इस हमले पर अपनी गहरी चिंता दर्ज कराने के लिए दिल्ली में ईरानी राजदूत को तलब किया। विदेश मंत्रालय के शनिवार को जारी बयान के अनुसार, भारत के शीर्ष अधिकारी ने राजदूत मोहम्मद फथाली से कहा कि वो भारत की चिंताओं को ईरानी अधिकारियों तक पहुंचाएँ और जल्द से जल्द भारत जाने वाले जहाजों को स्ट्रेट से गुजरने में मदद बहाल करें।

इससे पहले फथाली ने कहा था कि भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज़ स्ट्रेट खुला है और उन्हें ट्रांजिट यानी होर्मुज़ पार करने के लिए कोई फीस भी नहीं देनी होगी।

लंदन स्थित दक्षिण एशिया मामलों के लेखक प्रियजीत देबसर्कर ने हॉनगकॉन स्थित आखबार साउथ चाइना मॉनिंग पोस्ट से बात करते हुए कहा, मुझे लगता है कि यह गलत पहचान का क्लासिक मामला है। आप समझ सकते हैं, होर्मुज़ स्ट्रेट बेहद भरा हुआ है और वहाँ बहुत कुछ हो रहा है।

उन्होंने कहा, ईरानी गाइड्स भारी दबाव में हैं, उनके दुश्मनों के पास भारी सैन्य ताकत है जिसका उन्हें सामना करना है। संभव है कि उन्होंने भारतीय जहाजों पर गोली चलाकर स्थिति का गलत आकलन किया हो।

भारत के लिए इस घटना ने होर्मुज़ की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है, साथ ही यह चिंता भी बढ़ा दी है कि स्ट्रेट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के साथ उसके संबंधों से उसे कोई लाभ मिलेगा या नहीं।

यह भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि वो अपनी तेल जरूरत का करीब 85 प्रतिशत आयात करता है और खाड़ी क्षेत्र में लंबे रुकावट से बुरी तरह प्रभावित हो सकता है।

गलत पहचान या तालमेल की कमी?

जहाजों पर हमले की घटना के बाद ईरान बरतेगा सावधानी। ईरान-भारत संबंध मज़बूत और टिकाऊ माने जाते हैं, जो लंबे पुराने रिश्तों, व्यापार, ऊर्जा सहयोग और ईरान के दक्षिण-पूर्वी तट पर चाबहार बंदरगाह के विकास से बने हैं।

देबसर्कर ने कहा, मुझे लगता है कि भविष्य में ईरान ज़्यादा सावधानी बरतेगा। दोनों देशों के रिश्तों को देखते हुए मुझे नहीं लगता कि इससे कोई बड़ा उथल-पुथल होगा। यह घटना ईरान-युद्ध के बीच बेहद तेज़ी से बदलती स्थिति में हुई है और दोनों देश इसे समझते हैं।

यह घटना ऐसे समय हुई जब अमेरिका और ईरान जंग के बीच होर्मुज़ में जहाजों की आवाजाही बहुत धीमी हो गई है। वीकेंड में अमेरिका ने एक ईरानी झंडे वाले मालवाहक जहाज़ पर हमला कर उसे कब्जे में ले लिया था। उसका कहना था कि जहाज़ ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

ईरान ने जवाब देने की कसम खाई। विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष से कहा कि अमेरिकी धमकियाँ अमेरिका की बेईमानी के साफ़

संकेत हैं। इस तनाव के बीच ईरान अमेरिका के साथ दूसरे दौर की बातचीत को भी राजी नहीं हुआ, जिसके बाद ट्रंप ने सीज़फायर को फिलहाल के लिए आगे बढ़ा दिया है। इस असमंजस के बीच होर्मुज़ का भविष्य भी अभी साफ़ नहीं है।

देबसर्कर ने कहा, होर्मुज़ स्ट्रेट का खुलना बेहद महत्वपूर्ण है। यहाँ से भारी मात्रा में तेल, गैस और यूरोप समेत दुनिया के कई हिस्सों के लिए माल जाते हैं, इसलिए भारत के लिए इसका फिर खुलना या सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित होना ज़रूरी है।

ईरानी शासन और सैन्य नेतृत्व में तालमेल की कमी?

विदेश मामलों के जानकार यशवंत देशमुख ने कहा, तनाव ज़रूर है, लेकिन मेरा मानना ​​है कि भारत और ईरान सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

देशमुख ने कहा कि यह घटना या तो ईरान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व के बीच तालमेल की कमी दिखाती है या ज़मीनी स्तर पर कंट्रोल में विफलता, न कि भारत के साथ तनाव बढ़ाने की कोई जानबूझकर कोशिश।

पूर्व भारतीय राजनयिक शीकुमार मेनन ने कहा कि होर्मुज़ टैंकर की घटना दक्षिण एशिया के लिए कोई सीधा खतरा नहीं बनती, हालांकि यह आसपास के जलक्षेत्र में बढ़ती अस्थिरता को दिखाती है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, होर्मुज़ नाकेबंदी के कारण खाड़ी के भीतर करीब 1.3 करोड़ बैरल तेल और रोज़ाना लगभग 30 करोड़ घन मीटर तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) फँस गई है, जिससे उत्पादकों को तेलक्षेत्र, रिफाइनरी और एलएनजी संयंत्र बंद करने पड़े हैं। इसका असर एशिया से यूरोप तक अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है।

किंग्स कॉलेज लंदन के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफ़ेसर हर्ष पंत ने कहा, 'भारत लगातार होर्मुज़ स्ट्रेट को स्थिर करने की ज़रूरत पर ज़ोर देता रहा है। भारत इसी तरह की स्थिति को लेकर चेतावनी देता रहा है कि जैसे-जैसे स्ट्रेट का सैन्यीकरण होगा, वैसे-वैसे गलत आकलन और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ेगा।

भारत आ...

जहाज़ एपामिनोइस (एपामिनोँडास) गुजरात के मुंद्रा पोर्ट जा रहा था। ये जहाज़ दुर्बई से अपनी यात्रा शुरू कर भारत की ओर आ रहा था कि तभी आईआरजीसी ने इस पर हमला कर अपने कब्जे में ले लिया। भारतीय बंदरगाह की ओर जा रहे जहाज़ की इस जल्ती ने समुद्री सुरक्षा और सप्लाई चेन को लेकर भारत की चिंताएँ बढ़ा दी हैं।कहा कि दो जहाजों एमएससी फ्रांसेस्का और एपामिनोइस को बिना ज़रूरी मंजूरी के संचालित किया जा रहा था। इन्होंने नेविगेशन सिस्टम में हेरफेर किया, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। उन्हें आईआरजीसी नौसेना ने जब्त कर लिया और ईरान के तट की ओर ले जाया गया है। ये दोनों जहाज़ फिलहाल ईरान के क्षेत्रीय जल में हैं, जहाँ उनके सामान, दस्तावेजों और संबंधित रिकार्ड की जाँच की जा रही है।

अमेरिकी तेल कंपनियों को खुली धमकी
आईआरजीसी ने वेस्ट एशिया में अमेरिकी तेल कंपनियों और तेल के कुओं को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उनके बुनियादी ढाँचे पर हमले किए गए, तो वेस्ट एशिया में अमेरिकी स्वामित्व वाले जितने भी तेल के कुएँ हैं, उन्हें तबाह कर दिया जाएगा। ईरान ने साफ़ कर दिया है कि वो अमेरिकी मालिकाना हक वाली सभी अमेरिकी तेल कंपनियों पर चुन-चुनकर हमला करेगा।

इससे पहले हॉर्मुज़ में ईरानी जलक्षेत्र के पास तीन जहाजों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। तीन मालवाहक जहाजों को फायरिंग का निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, हमला करने से पहले आईआरजीसी से जुड़ी एक गनबोट ने अचानक गोलियाँ चलानी शुरू कर दीं। चौकाने वाली बात ये है कि जहाजों के पास ट्रांजिट परमिशन थे, लेकिन हमलावरों ने फायरिंग से पहले कोई रेडियो संचार या

चेतावनी नहीं दी। बता दें कि एक दिन पहले ही अमेरिका ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा को स्थगित कर दिया था। ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के सीज़फायर को दो हफ़्ते के लिए बढ़ा दिया था। यह घटनाक्रम वेस्ट एशिया में तनाव को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री का...

राज्य पुलिस अधिकारियों पर जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई।

ममता की चार दलीलें

ममता की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील रखी। उन्होंने कहा कि ईडी को जांच करने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है। यह सिर्फ उनका काम है, अधिकार नहीं। ईडी का अधिकारी जब काम कर रहा है, तो वह सिर्फ सरकारी कर्मचारी है। वह अपने विभाग से अलग किसी अधिकार का दावा नहीं कर सकता। ईडी ने कहा कि उनके अधिकारों का उल्लंघन हुआ। ऐसा नहीं है, क्योंकि अधिकारी सिर्फ ड्यूटी निभा रहा है, मौलिक अधिकार का सवाल ही नहीं उठता। ईडी खुद एक ताकतवर एजेंसी है, वह खुद को जनता का रक्षक बताकर कोर्ट में नहीं आ सकती।

सुप्रीम कोर्ट के चार कड़े कमेंट

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कई अहम टिप्पणियाँ कीं। कोर्ट ने कहा कि यह असल में किसी एक व्यक्ति का काम है, इसे पूरे सिस्टम या लोकतंत्र का विवाद बनाना सही नहीं। संविधान बनाते समय किसी ने नहीं सोचा होगा कि एक मुख्यमंत्री किसी जांच एजेंसी के दफ्तर में पहुँच जाएगा। सिर्फ कानूनी सिद्धांत से काम नहीं चलेगा, हमें ज़मीन की हकीकत भी देखनी होगी। संविधान की व्याख्या समय के साथ बदलती रहती है, हर नए हालात में कोर्ट को नए सिरे से सोचना पड़ता है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और सीएम ममता बनर्जी का चुनावी कैंपेन संभाल रही फर्म आई-पैक का कोलकाता के विधाननगर स्थित दफ्तर 20 अप्रैल से बंद है। सूत्रों के अनुसार इसके एचआर ने 1300 कर्मियों को काम पर न आने का लेटर भेजा है। यह सब ऐसे समय हुआ है जब पहले चरण के मतदान को एक दिन बचे हैं। 23 अप्रैल को पहले चरण के तहत 152 सीटों पर वोटिंग होनी है। दूसरे चरण की वोटिंग 29 अप्रैल को है। रिजल्ट 4 मई को आएँगे।

बंगाल में टीएमसी के मौजूदा करीब 33% विधायकों के टिकट काटने के फैसले के पीछे आई-पैक का सर्वे आधार था। इसने बंगाल के 93 हजार पोलिंग बु्थों के लिए एक लाख शैडो एजेंट्स तैयार किए थे। हालांकि, भास्कर के सवाल पर पार्टी सांसद डेरेंक ओ ब्रायन ने कहा कि हम संचालित किया जा रहा था। इन्होंने एजेंसियों के साथ काम कर रहे हैं। सभी ठीक हैं। पार्टी के एक अन्य नेता ने बताया कि टीएमसी संगठन 4 स्तर पर काम कर रहा है।

पहले चरण की ...

के 152 निर्वाचन क्षेत्रों और राज्य के दक्षिणी हिस्से के कई जिलों में मतदान से पहले मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरा जोर लगा दिया। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इस चरण में 3.60 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान कर सकेंगे। इन मतदाताओं में लगभग 1.84 करोड़ पुरुष, 1.75 करोड़ महिला और 465 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग से ठीक पहले राजनीतिक माहौल बेहद गर्म हो गया है। एक तरफ बीजेपी नेता और गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि इस बार कोई खेला नहीं होगा और राज्य में बदलाव तय है, वहीं दूसरी तरफ ममता बनर्जी ने जवाब देते हुए कहा कि खेला तो होगा, और दुर्दांत खेला होगा। उन्होंने इसे लोकतंत्र का बदला भी बताया। बता दें कि पहले चरण में राज्य की 152 सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू होना है और इन सीटों पर

सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। पोलिंग बुथ्स पर ईवीएम पहुँच चुकी हैं, सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं और सुरक्षा बलों की तैनाती पूरी हो गई है।

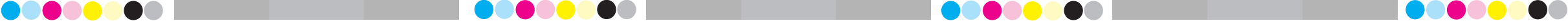
औसतन हर 100 वोटर्स पर एक जवान जिन 152 सीटों पर मतदान होना है, उनमें उत्तर बंगाल के अलीपुरद्वार, कूच बिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर तथा मालदा की 54 सीटें शामिल हैं। इसके अलावा मुर्शिदाबाद (22), बीरभूम (11), बांकुड़ा (12), पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर (31), पश्चिम वर्धमान (9), पुरुलिया (9) और झाड़ग्राम (4) सीटों पर भी मतदान होगा। इस बार चुनाव में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतज़ाम किए गए हैं। पहली बार लगभग 2407 कंपनियों के साथ ढाई लाख से ज़्यादा केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। यानी औसतन हर 100 वोटर्स पर एक जवान मौजूद रहेगा।

मतदान को सुचारु रूप से कराने के लिए मुर्शिदाबाद में 316 कंपनियाँ, पूर्वी मेदिनीपुर में 273 कंपनियाँ, उत्तर दिनाजपुर में 132 कंपनियाँ तैनात की गई हैं। इसके अलावा जलपाईगुड़ी, अलीप-ुद्वार, दार्जिलिंग और अन्य जिलों में भी भारी तैनाती हुई है। बता दें कि 2021 के चुनाव में केवल 725 कंपनियाँ तैनात थीं, जबकि इस बार यह संख्या कई गुना बढ़ाई गई है। इसके अलावा वोटिंग से 4-5 दिन पहले ही शराब की दुकानें बंद कर दी गई हैं। वोटिंग से पहले 12 घंटे बाइक पर प्रतिबंध लगा है, बाहरी लोगों को इलाकों से बाहर किया गया है और एक-एक गतिविधि की कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग हो रही है।

चुनाव आयोग पर ममता का हमला

ममता बनर्जी ने इन इंतज़ामों पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि चुनाव को जंग में बदल दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बीजेपी को फायदा पहुँचाने के लिए काम कर रहा है और आम लोगों को वोट देने से रोका जा रहा है। ममता ने यह भी कहा कि बीएलओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे 100 में से केवल 25 लोगों को ही वोटिंग स्लिप दें, जो लोकतंत्र के खिलाफ है। वहीं सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि पहले चरण में बीजेपी 90% सीटें जीत सकती है। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी का कोर क्षेत्र है और इस बार मुस्लिम वोटर भी बीजेपी का समर्थन करेंगे।

पूर्वी मेदिनीपुर की नंदीग्राम सीट सबसे हाई प्रोफाइल बनी हुई है। यहाँ पिछली बार सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को बेहद कम अंतर से हराया था। इस बार भी यहाँ बीजेपी और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर है। पश्चिम मेदिनीपुर की 15 सीटों पर भी मतदान होगा, जहाँ पिछली बार 13 सीटें टीएमसी ने जीती थीं। खड़गपुर सदर सीट पर बीजेपी के दिलीप घोष मैदान में हैं और पार्टी को यहाँ जीत की उम्मीद है। मुर्शिदाबाद में 22 सीटों पर वोटिंग होगी, जहाँ मुस्लिम आबादी अधिक है। पिछली बार टीएमसी ने 20 सीटें जीती थीं, लेकिन इस बार कांग्रेस और अन्य दल भी मज़बूत चुनौती दे रहे हैं। मालदा की 12 सीटों पर भी मुकाबला दिलचस्प है।पहले चरण की 152 सीटों पर पिछले चुनाव में टीएमसी ने 92 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी को 59 सीटें मिली थीं। इस बार दोनों ही दल अपनी स्थिति मज़बूत करने की कोशिश में हैं। माना जा रहा है कि पहले चरण की वोटिंग बंगाल की राजनीति की दिशा तय कर सकती है। एक तरफ कड़ी सुरक्षा और चुनाव आयोग की सख्ती है, तो दूसरी तरफ नेताओं के तीखे बयान। अब यह जानने के लिए सबकी नज़रें 4 मई पर ही होंगी कि आखिर इन चुनावों में जनता किसके पक्ष में फैसला सुनाती है।



गो सम्मान आह्वान अभियान 27 अप्रैल को

गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए देशव्यापी अभियान

हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौमाता को राष्ट्रमाता का पद घोषित हो एवं गौवंश की रक्षा हो, देश में गोहत्या बंद हो - इस संकल्प के साथ आगामी 27 अप्रैल 2026 को गो सम्मान आह्वान अभियान का आयोजन किया गया है।

लव फार काऊ फाउंडेशन एवं गोवत्स फाउंडेशन द्वारा सोमाजीगुडा स्थित प्रेस क्लब में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए फाउंडेशन चेयरमैन जसमत पटेल एवं गोवत्स फाउंडेशन अध्यक्ष मुरली मनोहर पलोड ने बताया कि गो सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत गौमाता को राष्ट्रमाता / राष्ट्र आराध्या का संवैधानिक दर्जा दिलाने, केन्द्रीय गोसेवा मंत्रालय की स्थापना एवं एकीकृत केन्द्रीय कानून निर्माण हेतु सोमवार दि. 27 अप्रैल 2026 को सम्पूर्ण भारत वर्ष के मण्डलों में माननीय राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, सभी राज्यों के माननीय राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से भेंट कर उनको ज्ञापन सौंपा जायेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह अभियान किसी राजनैतिक दल, संगठन, अथवा केन्द्र या राज्य सरकार के विरुद्ध नहीं है, अपितु यह गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के प्रति समर्पित है।

मोदी सरकार की प्रशंसा, गौवंश को संवैधानिक दर्जे की मांग

जसमत पटेल ने विशेषकर कहा कि माननीय मोदी जी के नेतृत्व में ऐसे ऐतिहासिक कार्य संपन्न हुए हैं, जो पूर्ववर्ती सरकार 65 वर्ष में भी नहीं कर सकी। ये कार्य मोदीजी की अटूट देशभक्ति, लौह इच्छाशक्ति एवं अद्भुत अग्रदक्षता के कारण ही संभव हो सके हैं। प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथधाम का कायाकल्प और जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने जैसे साहसिक निर्णयों के बाद, हम समस्त सनातनी आपके सांस्कृतिक पुनरुत्थान के संकल्प के प्रति नतमस्तक हैं। आपके पंचप्राण के संकल्प में अपनी विरासत पर गर्व एक मुख्य स्तंभ है। भारतीय देशी गोवंश हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। जब तक गोमाता असुरक्षित है, तब तक हमारी सांस्कृतिक पूर्णता अधूरी है। जिस प्रकार आपने भारत की आध्यात्मिक आभा को पुनर्जीवित किया है, उसी प्रकार गोमाता को केन्द्रीय कानून के माध्यम से सुरक्षा और राष्ट्रीय सम्मान देकर आप ही भारत के इस सांस्कृतिक पुनरुत्थान के महायज्ञ की पूर्णाहुति कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आपसे देश के समस्त सनातनी गो

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों को सौंपा जाएगा ज्ञापन



भक्तों, कार्यकर्ताओं, जागरूक नागरिकों एवं संत समाज की ओर से विनम्र निवेदन है कि वर्तमान में भारतीय गोवंश की स्थिति अत्यंत पीड़ादायक है। सीमाओं पर होने वाली तस्करी, निर्मम वध और सड़कों पर गोमाता की दुर्दशा देखकर प्रत्येक सनातनी भारतीय का हृदय विदीर्ण है। आपकी कार्यशैली सदैव निर्णायक और परिणामोन्मुखी रही है, इसीलिए आज सम्पूर्ण राष्ट्र बड़ी आशा के साथ आपकी ओर निहार रहा है।

देश को पूर्ण विश्वास है कि आपके नेतृत्व में गोवंश को वह संवैधानिक सम्मान, अचूक सुरक्षा और विधिवत सेवा प्राप्त होगी, जिसका संकल्प प्रत्येक भारतीय के मन में है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी है गोवंश:

8 सूत्रीय मांग पत्र

मुरली मनोहर पलोड ने आगे कहा कि गोवंश केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी भी है। यशस्वी प्रधानमंत्रीजी के आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी पूर्णतः साकार होगा, जब हमारा अन्नदाता किसान रासायनिक खाद के विषैले चक्र से मुक्त होकर गो-आधारित प्राकृतिक कृषि को अपनाएगा। यह न केवल मिट्टी की उर्वरता को पुनर्जीवित करेगा, बल्कि हर भारतीय को सात्विक आहार प्रदान कर एक स्वस्थ और निरोग भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा। आपके सशक्त नेतृत्व में गोवंश को मिलने वाला संरक्षण देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि को एक नई दिशा प्रदान करेगा।

रिद्धिशी जगीरदार ने कहा कि देशभर में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत 27 अप्रैल को 5 हजार मंडल कार्यालय में ज्ञापन दिया जायेगा। गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत देश में लगभग 780 जिलों में प्रत्येक जिला स्थल पर 3 संत और 3 गौप्रेमी कार्यकर्ता जुड़ेंगे, जो जिले के अन्य गौ प्रेमी संतों और गौरक्षकों को जोड़ेंगे। यह अभियान किसी संस्था या संगठन के बैनर तले आयोजित नहीं होगा, बल्कि इसके प्रधान संरक्षक वेदलक्षणा गोमाता एवं अध्यक्ष नंदी बाबा (वृषभ) - गौमाता और नंदी बाबा को समर्पित होगा। यह भी कहा गया है कि अभियान में किसी संत, महंत, नेता, अभिनेता, कार्यकर्ता की फोटो, पोस्टर, बैनर या होर्डिंग नहीं लगायी जाएगी।

गोवंश की वर्तमान पीड़ादायक स्थिति को देखते हुए अभियान के माध्यम से समाधान हेतु निम्नलिखित आग्रह महामहिम राष्ट्रपति एवं माननीय प्रधानमंत्री को प्रेषित किये जायेंगे:

एकीकृत केन्द्रीय कानून एवं स्वतंत्र मंत्रालय: संविधान के अनुच्छेद 48 के तहत गो-संरक्षण राज्य का विषय है, कुछ राज्यों ने गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया भी है, किंतु कई राज्यों की असमर्थता अथवा अरुचि को देखते हुए केन्द्र सरकार संविधान में आवश्यक संशोधन करते हुए केन्द्रीय गो सेवा एवं संरक्षण अधिनियम लागू करें। समस्त गो वधशालाओं (कसाईखानों) के लाइसेंस निरस्त हों और वधशालाओं (कसाईखानों) पर शीघ्र अति कठोर कार्रवाई हो - इसके

क्रियान्वयन हेतु स्वतंत्र केन्द्रीय गो सेवा मंत्रालय और स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो।

संवैधानिक सर्वोच्चता: देशी गोवंश को 'राष्ट्रमाता' या 'राष्ट्र आराध्या' के रूप में आधिकारिक संवैधानिक मान्यता प्रदान कर उसे विशेष राष्ट्रीय संरक्षण दिया जाए। कठोर दंडात्मक प्रावधान: गो तस्करी और गो वध को सज्जे एवं गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखकर आजीवन कारावास तथा अपराध में संलिप्त दोषियों की संपत्ति कुर्क (राजसात) करने का कठोर विधिक प्रावधान हो।

आर्थिक आत्मनिर्भरता (गव्य आधारित अर्थव्यवस्था): पंचगव्य (गोबर-गोमूत्र) अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन्हें प्राकृतिक कृषि हेतु जैविक खाद, कीटनाशक और औषधि के रूप में सरकारी खरीद तंत्र से जोड़ा जाए। स्कूलों में मिड-डे मील व मंदिरों के प्रसाद में केवल देशी गो-घृत व दुग्ध का उपयोग अनिवार्य हो।

बुनियादी ढांचा विकास: प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर नंदीशाला और जिला स्तर पर न्यूनतम एक आदर्श गो अभ्यारण्य अथवा वृहद् गोशाला की स्थापना अनिवार्य हो, जहाँ निराश्रित गोवंश को ससम्मान आश्रय मिले।

राजमार्ग सुरक्षा एवं चिकित्सा: राष्ट्रीय व राज्य राजमार्ग पर प्रति 50 से 100 किमी पर सुसज्जित गो-वाहिनी एम्बुलेन्स और 150 से 200 किमी के अंतराल पर आधुनिक ट्रामा सेंटरों की व्यवस्था हो जाए ताकि

दुर्घटनाग्रस्त गोवंश को तत्काल उपचार मिल सके।

शिक्षा एवं सामाजिक सुधार: स्कूली पाठ्यक्रमों में गो-विज्ञान को अनिवार्य विषय के रूप में शामिल किया जाए ताकि भावी पीढ़ी गोवंश के आध्यात्मिक, वैज्ञानिक, औषधीय और आर्थिक महत्व को समझ सके।

एकीकृत चारा एवं गोचर संरक्षण नीति: एक सुदृढ़ चारा सुरक्षा कानून बनाकर चारे के औद्योगिक उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगे, चारे के अवैध भंडारण एवं अनियंत्रित मूल्य वृद्धि को रोका जाए, साथ ही समस्त गोचर, ओरण और वन भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कर 'गोचर विकास बोर्ड' के अधीन आरक्षित किया जाए, जिससे गोवंश के वर्षभर गोचरण की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

देश की करोड़ों आकांक्षाएं होंगी पूरी

प्रभु श्री राम ने वनवास से लौटकर जिस प्रकार धर्म की पुनर्स्थापना कर 'रामराज्य' की नींव रखी थी, आज पूरा देश आपकी और माननीय मोदी जी की ओर उसी विश्वास से देख रहा है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आपके सशक्त नेतृत्व में गोवंश की रक्षा के साथ-साथ एक ऐसे भारत की स्थापना हो जहाँ गोमाता का सम्मान सुरक्षित हो। महोदय, गो सम्मान आह्वान अभियान के माध्यम से राष्ट्र का प्रत्येक स्वर आज एक ही आह्वान कर रहा है - अब गोमाता को न्याय और संवैधानिक गौरव मिलना ही चाहिए।

हमें पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आपने देश की जटिलतम समस्याओं का समाधान किया है, उसी प्रकार गोमाता को यह ऐतिहासिक न्याय प्रदान कर आप करोड़ों सनातनी भारतीयों की इस चिर-प्रतीक्षित आकांक्षा को सिद्ध करेंगे।

गोवंश संरक्षण केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि कृषि, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था एवं सतत विकास से जुड़ा एक राष्ट्रीय विषय है। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि उपरोक्त बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक नीतिगत एवं विधिक निर्णय शीघ्र लेने की कृपा करें। हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके सक्षम नेतृत्व में इस दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रिद्धिशी जागीरदार, तरूण महेता, बद्रीविशाल लोया, बालकृष्णमि बंडारी, के. रमेश आदि उपस्थित थे एवं अपने विचार व्यक्त किये।

मदनलाल गुप्ता की पुण्यतिथि पर अन्नदान सेवा आयोजित



हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने स्वर्गीय मदनलाल

जी गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धा-पूर्वक अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर उनकी पुण्य स्मृति को नमन

किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने स्वर्गीय मदनलाल जी गुप्ता के जीवन और उनके सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि सेवा कार्य ही सच्ची श्रद्धांजलि का सर्वोत्तम माध्यम है। अन्नदान के इस पावन कार्य में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर सेवा भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। साथ ही गौ सेवा का कार्य भी बेगम बाजार, नामपल्ली एवं केबीआर पार्क में किया गया, जो आज की पूरी सेवा स्वर्गीय मदनलाल जी गुप्ता के परिवार की ओर से समर्पित रही।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, शिव भागवान अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर सेवा कार्य को सफल बनाया।

जनगणना 2027 के लिए कलेक्टर कुमार दीपक के सख्त निर्देश, घर-घर सर्वे में सावधानी जरूरी

मंचेरियाल, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने जनगणना-2027 के तहत घर-घर सर्वे कार्य को पूरी सावधानी, पारदर्शिता और नियमों के अनुसार संपन्न करने के सख्त निर्देश दिए हैं। बुधवार को उन्होंने चेन्नू मंडल केंद्र स्थित सरकारी हाई स्कूल में एन्यूमरेटर्स और सुपरवाइजर्स के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कलेक्टर ने बताया कि 11 मई से घरों की गणना कार्यक्रम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि इसे समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और बढ़ती गर्मी को देखते हुए सर्वे सुबह के समय संचालित करने की योजना बनाई जाए। जिन घरों में सर्वे होना है, वहां पूर्व सूचना देने पर लोग समय पर उपलब्ध रहेंगे। कलेक्टर ने पंचायत सचिवों और नगर पालिका अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा। साथ ही कर्मचारियों से समयपालन, बिना गलती जिम्मेदारी निभाने और प्रशिक्षण के दौरान उठने वाली शंकाओं के समाधान की व्यवस्था करने की सलाह दी गई। फील्ड स्तर पर आने वाली समस्याओं के लिए अलग समूह बनाने का सुझाव भी दिया गया। उन्होंने कहा कि जनगणना के आधार पर भविष्य की सरकारी योजनाएं और चुनावी प्रक्रिया तय होती है, इसलिए यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है।

डीआरएसआईएस ने सीबीएसई कक्षा 10 के टॉपर्स को सम्मानित किया



हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के बाहरी इलाके गुंडला पोचमपल्ली स्थित डीआरएसआईएस इंटरनेशनल स्कूल परिसर में बुधवार को सीबीएसई कक्षा 10 के टॉपर्स के लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन ने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में बी. जतिन रेड्डी शामिल थे, जिन्होंने 98.4% अंकों के साथ स्कूल टॉपर बनने के साथ-साथ विषयों में भी टॉप किया। दूसरे स्थान

पर नैनिका एस रहें, जिन्होंने 97.6% अंक प्राप्त किए। के. हिमानिश और केल्विना टी ने संयुक्त रूप से 95.4% अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा, अक्षंथ के ने गणित में 95 अंक प्राप्त कर विषय टॉपर का स्थान हासिल किया, जबकि बी. वेंकट कृष्ण और ए. दीप्या रेड्डी ने आईटी में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर पूर्ण स्कोर हासिल किया। कार्यक्रम में बोलते हुए स्कूल के प्रिंसिपल श्री आई. वेणुगोपाल ने छात्रों को उनकी शानदार सफलता पर बधाई दी और उन्हें शिक्षा के माध्यम से ऊंचे लक्ष्य

निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों को अपने भविष्य के प्रयासों में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपनी औपचारिक शिक्षा के साथ-साथ कौशल अर्जित करें और आत्म-विकास में संलग्न होकर देश के जिम्मेदार एवं अनुकरणीय नागरिक बनने का प्रयास करें। इस कार्यक्रम में डीआरएसआईएस सीबीएसई समन्वयक एस. मैरी तनुजा, एचओडी (बोर्डिंग) राजेंद्र प्रसाद एवं अन्य शिक्षकों ने भाग लिया।

फिफा वर्ल्ड कप फोटोग्राफी प्रदर्शनी

यूनिसेफ फंडरेजर के लिए सजेगी यादों की महफिल

हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

खेलों के प्रति उत्साह और सामाजिक सरोकार के संगम के रूप में शहर में एक भव्य फोटोग्राफी प्रदर्शनी का आयोजन होने जा रहा है। तेलंगाना विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। इस आयोजन की तैयारियों के सिलसिले में सैफ इंडिया के संपादक मोहम्मद शम्सुद्दीन और स्पोर्ट्स विलेज की मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) ताहा बेगम ने माननीय उपाध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने डिप्टी चेयरमैन को औपचारिक रूप से निमंत्रण पत्र भेंट कर कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया।



यह विशेष फोटोग्राफी शोकेस दोहा, कतर में आयोजित फीफा वर्ल्ड कप के यादगार और ऐतिहासिक पलों पर केंद्रित होगा। खेल प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी किसी सौगत से कम नहीं है, जहाँ फुटबॉल के महाकुंभ की बेहतरीन तस्वीरों को प्रदर्शित किया जाएगा। इन तस्वीरों के माध्यम से खेल की भावना और कतर के भव्य स्टेडियमों के दृश्यों को

जीवंत करने का प्रयास किया गया है। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य केवल कला का प्रदर्शन करना नहीं है, बल्कि एक महान उद्देश्य के लिए धन जुटाना भी है।

यह आयोजन यूनिसेफ फंडरेजर के समर्थन में किया जा रहा है, ताकि इसके माध्यम से होने वाली आय का उपयोग बच्चों के कल्याण और विकास कार्यों में किया जा सके। खेल और फोटोग्राफी के माध्यम से समाज सेवा की यह अनूठी पहल शहर के गणमान्य व्यक्तियों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

यह विशेष आयोजन बंजारा हिल्स स्थित सनाया होम कॉर्पोरेट ऑफिस में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम शनिवार दि. 25 अप्रैल को सनाया होम कॉर्पोरेट ऑफिस, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद में होगा।

केटीआर का भाजपा-कांग्रेस पर तीखा हमला

कालेश्वरम पर हाई कोर्ट का फैसला साजिशों का पर्दाफाश

6 आईपीएस अधिकारी डीजी रैंक पर पदोन्नत; सरकार ने जारी किए आदेश



हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने बुधवार को भाजपा और कांग्रेस दोनों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में इन दोनों पार्टियों के बीच “फेबिकोल जैसा मजबूत बंधन है, जो राज्य के हितों के खिलाफ काम कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केटीआर ने सवाल उठाया कि केंद्र सरकार कथित अवैध धन के लेन-देन पर कार्रवाई करने में विफल क्यों रही। उन्होंने कहा कि ऐसे धन को जब्त करना केंद्रीय गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है और बंदी संजय को अपने पद की गरिमा के अनुरूप जिम्मेदारी से बात करनी चाहिए।

हाई कोर्ट का फैसला और झूठा प्रचार

कालेश्वरम परियोजना के मुद्दे पर केटीआर ने कहा कि हालिया उच्च न्यायालय का फैसला इस

परियोजना के खिलाफ कांग्रेस द्वारा रची गई साजिशों को उजागर करता है। उन्होंने दावा किया कि अदालत के फैसले ने परियोजना के महत्व को फिर से स्थापित किया है और इसके पूरी तरह से विफल होने के दावों को झूठा प्रचार करार देकर खारिज कर दिया है।

केटीआर ने तर्क दिया कि परियोजना को केवल सीमित क्षति हुई है जिसे मरम्मत के माध्यम से ठीक किया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया, जबकि कांग्रेस और भाजपा दोनों तेलंगाना के सिंचाई हितों और किसानों को निशाना बना रहे हैं।

सरकार को नसीहत: राजनीति छोड़ें, मरम्मत पर ध्यान दें

बीआरएस नेता ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वे इस परियोजना का राजनीतिकरण बंद करें और इसे फिर से चालू करने के लिए आवश्यक मरम्मत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह फैसला तेलंगाना की जनता और किसानों की जीत है।

बीआरएस की वापसी का दावा

अंत में केटीआर ने विश्वास जताया कि जनता के समर्थन से बीआरएस एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने दोहराया कि उनकी पार्टी हमेशा तेलंगाना के किसानों के हक के लिए लड़ती रहेगी और विरोधियों के भ्रामक अभियानों का डटकर मुकाबला करेगी।

कांग्रेस नेताओं ने किया कालेश्वरम परियोजना को लेकर बीआरएस पर हमला

हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में कालेश्वरम परियोजना को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस नेताओं ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। भुवनगिरी के सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी और राज्य विधानसभा में पार्टी के सचेतक एन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने इस मामले में तत्काल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। गांधी भवन में पत्रकारों से बात करते हुए सांसद ने उच्च न्यायालय के हालिया आदेश पर बीआरएस नेताओं के जश्र मनाने पर सवाल उठाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत ने किसी को क्लीन चिट नहीं दी है और न ही न्यायमूर्ति पी.सी. घोष आयोग के निष्कर्षों को गलत ठहराया है। श्री चमाला रेड्डी ने कहा, आयोग और नेशनल डैम सेफ्टी अथॉरिटी (एनडीएसए) दोनों ने मेदिगुडा बराज के पिलर धंसने के लिए अधिकारियों और तत्कालीन सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार माना है। उन्होंने कहा कि अदालत के आदेश की कॉपी मिलने के बाद राज्य सरकार आगे के कदम पर फैसला लेगी।वहीं, सचेतक एन्नम श्रीनिवास रेड्डी ने भाजपा और बीआरएस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव के दौरान कालेश्वरम को एटीएम कहा था, लेकिन अब भाजपा कुछ लोगों को भ्रष्टाचार के आरोपों से बचा रही है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की चुप्पी पर भी सवाल उठाए और कहा कि यह दोनों पार्टियों के बीच गुप्त समझौते का संकेत देती है।

हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना सरकार ने बुधवार को राज्य कैडर के छह वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को महानिदेशक (डीजी) रैंक पर पदोन्नत करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक आदेशों के अनुसार, 1995 और 1996 बैच के इन अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के आधार पर पदोन्नति दी गई है।

पदोन्नत अधिकारियों की सूची और बैच

राज्य सरकार ने 1995 और 1996 बैच के छह वरिष्ठ अधिकारियों को पैनल में शामिल कर उन्हें पुलिस महानिदेशक (डीजीपी - एचएजी + लेवल 16) के पद पर पदोन्नत किया है। पदोन्नत होने वाले अधिकारियों में निम्नलिखित नाम शामिल हैं:

वीरशेट्टी वेंकट श्रीनिवास राव, आईपीएस (1995 बैच)

स्वाति लाकड़ा, आईपीएस (1995 बैच)

महेश मुरलीधर भागवत, आईपीएस (1995 बैच)

चारु सिन्हा, आईपीएस (1996 बैच)

डॉ. अनिल कुमार, आईपीएस (1996 बैच)

वी.सी. सज्जनार, आईपीएस (1996 बैच)

वर्तमान पदों पर बने रहेंगे अधिकारी

सरकार द्वारा जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि यद्यपि इन अधिकारियों को डीजी रैंक पर



पदोन्नत कर दिया गया है, लेकिन वे वर्तमान में जिन पदों पर तैनात हैं, उन्हीं पदों पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में कदम

इन वरिष्ठ अधिकारियों की पदोन्नति को राज्य के पुलिस प्रशासन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है। ये सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अपने अनुभव और कार्यकुशलता के लिए जाने जाते हैं। इस पदोन्नति के साथ ही विभाग में वरिष्ठ स्तर पर प्रशासनिक ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

तेलंगाना में 98,000 करोड़ के सड़क कार्य प्रगति पर

नवंबर 2026 में हैदराबाद करेगा इंडियन रोड्स कांग्रेस की मेजबानी



हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के सड़क एवं भवन (आर एंड बी) मंत्री कोमतिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने राज्य के बुनियादी ढांचे को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद के हाईटेक्स में नवंबर 2026 में प्रतिष्ठित इंडियन रोड्स कांग्रेस (आईआरसी) का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के शामिल होने की संभावना है।

सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास पर आयोजित एक विशेष समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, नितिन गडकरी के साथ उनके बेहतर समन्वय के कारण वह इस आयोजन को हैदराबाद लाने में सफल रहे।

मंत्री ने विश्वास जताया कि आईआरसी की बैठक से राज्य में 20,000 करोड़ से अधिक का निवेश आएगा। उन्होंने राज्य के लिए एक और गौरवशाली बात साझा की कि आरएंडबी विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ मोहन नायक को 2025 के अंत में आईआरसी का अध्यक्ष चुना गया है।

कोमतिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने रेखांकित किया कि अविभाजित राज्य के इतिहास में पहली बार 98,000 करोड़ की लागत से सड़क निर्माण और विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में सरकार तेलंगाना को 2028 के अंत तक सड़क बुनियादी ढांचे में भारत का नंबर एक राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।सड़क सुधार की योजनाओं पर विस्तार से बताते हुए मंत्री ने कहा कि जिन गांवों में सड़क संपर्क नहीं है, वहां नई सड़कें बनाई जा रही हैं और सिंगल-लेन सड़कों को डबल-लेन में अपग्रेड किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कों से राज्य में बड़े पैमाने पर उद्योग आकर्षित होंगे, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर पैदा होंगे। इस समीक्षा बैठक में उप-मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि राज्य की आर्थिक प्रगति को नई गति मिल सके।



हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मलू ने बुधवार को नवनियुक्त ग्रुप-1 अधिकारियों से शासन में मानवीय और नैतिक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि उनके द्वारा लिया गया हर निर्णय सीधे तौर पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता है।

डॉ. मरि चेन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान (एमसीआरएचआरडी) में छह सप्ताह का फाउंडेशन कोर्स (बैच-2) पूरा करने वाले 214 अधिकारियों को

संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आप जिस भी फाइल पर हस्ताक्षर करते हैं, वह किसी की उम्मीद का प्रतिनिधित्व करती है। यह केवल कागज का टुकड़ा नहीं है इसमें किसी का जीवन बदलने की शक्ति है।

संवेदनशीलता और कानून का मेल: त्वरित जनसेवा पर जोर

उप-मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जहाँ प्रणालियाँ नियमित रूप से कार्य करती हैं, वहीं वास्तविक परिवर्तन अधिकारियों द्वारा दिखाई गई सहानुभूति पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि

किसानों, छात्रों और मरीजों से संबंधित निर्णय संवेदनशीलता के साथ और कानून के दायरे में रहकर लिए जाने चाहिए, ताकि योजनाओं का लाभ गरीबों तक जल्द से जल्द पहुँच सके।

सार्वजनिक सेवा के आधार स्तंभ के रूप में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को रेखांकित करते हुए भट्टी ने कहा कि दबाव का विरोध करना और निष्पक्ष निर्णय लेना ही जनता का विश्वास बनाता है। उन्होंने टिप्पणी की, आपकी बुद्धिमानी आपको यहाँ तक ले आई है, लेकिन क्षेत्र (फील्ड) में आपका निर्णय आपको

परिभाषित करेगा।

तकनीक बनाम मानवीय सहानुभूति: शासन में संतुलन

उन्होंने शासन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित किया, लेकिन आगाह किया कि तकनीक कभी भी मानवीय सहानुभूति का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने अधिकारियों से प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और जमीनी स्तर पर समावेशी विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

भविष्य का लक्ष्य: 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था

उप-मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार का ध्यान मानव पूंजी निर्माण के हिस्से के रूप में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचे में निवेश करने पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये अधिकारी 2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के राज्य के दीर्घकालिक दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

आधिकारिक बयान के अनुसार, इस कार्यक्रम में एमसीआरएचआरडी की महानिदेशक शांति कुमारी, कोर्स डायरेक्टर अरुण कुमार और कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जुपेली ने आदिलाबाद में आदिवासी पर्यटन प्रदर्शन कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर खाना किया



आदिलाबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के पर्यटन मंत्री जुपेली कृष्णा राव ने बुधवार को आदिलाबाद जिले के उदुनूर मंडल के गोंड गुड्डेम में आदिवासी पर्यटन प्रदर्शन कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। इस पहल का मकसद आदिवासी समुदायों को प्रमुख पर्यटन स्थलों और शहरी अवसरचरना से रूबरू कराना है।तकरीबन 200 आदिवासी पांच बसों में सवार होकर गोंड गुड्डेम से हैदराबाद के लिए खाना हुए। अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान, प्रतिभागी हैदराबाद के

और शिल्परामम शामिल हैं। यह उन्हें राज्य की पर्यटन क्षमताओं से परिचित कराने की एक कवायद है। इस कार्यक्रम में विधायक वेदमा बोच्चू, आदिलाबाद के जिलाधिकारी राजर्षि शाह, पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन, आईटीडीए परियोजना अधिकारी युवराज मरमत, कुमराम भीम आसिफाबाद जिला पुस्तकालयनिगम के अध्यक्ष अनिल कुमार कामडे, डीसीसी अध्यक्ष नरेश जाधव और अन्नम सुगुना के साथ-साथ कांग्रेस नेता अन्नम सक्कु, सोयम बापूराव, अडे गजेंद्र और अन्य लोग मौजूद रहे।

नायडू 5,400 करोड़ रुपये की सौर विनिर्माण परियोजना का शिलान्यास करेंगे

विजयवाड़ा, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू गुरुवार को विशाखापत्तनम के पास अनकापट्टी जिले में नैसैडक पर सूचीबद्ध नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी रीन्यू की 5400 करोड़ रुपये की सौर विनिर्माण परियोजना का शिलान्यास करेंगे। यह ऐतिहासिक परियोजना ऐसे समय में आयी है जब भारत अपने बड़े नवीनीकरण ऊर्जा लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ रहा है जिसका लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-

जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करना है और साथ ही आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के तहत आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू विनिर्माण को मजबूत करना है। इस बदलाव में सबसे आगे आंध्र प्रदेश की एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति 2024 है, जो एक आगे की सोच वाली कार्ययोजना है जिसे बड़े पैमाने पर निवेश को आकर्षित करने, विनिर्माण में समन्वय स्थापित करने और राज्य को वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा केन्द्र के रूप में स्थापित करने

के लिए डिज़ाइन किया गया है। पॉलिसी ने पहले ही अपनी परिकल्पना को कार्रवाई में बदलना शुरू कर दिया है।इस सुविधा में एक छह जीडब्ल्यू सोलर इंगोट और वेफर मैनुफैक्चरिंग यूनिट में लगभग 5,400 करोड़ रुपये का निवेश है जो एक मजबूत घरेलू सोलर आपूर्ति चेन बनाने में एक अहम कदम है। इंगोट और वेफर जैसे ज़रूरी अपस्ट्रीम कंपोनेंट्स बनाकर, यह प्रोजेक्ट आयात पर निर्भरता को काफी कम करेगा और भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत

करेगा।यह प्रोजेक्ट रीन्यू के आंध्र प्रदेश में 82,000 करोड़ रुपये के बड़े निवेश प्रतिबद्धता का भी हिस्सा है, जिसकी घोषणा पहले की गई थी, जो राज्य के पॉलिसी पारिस्थितिकी तंत्र और सरकार में निवेशकों के मजबूत भरोसे को दिखाता है। इस परियोजना के 24 महीनों के अंदर चालू होने और 2,100 से ज़्यादा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा करने की उम्मीद है, जिससे इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास और रोज़गार को और बढ़ावा मिलेगा।

प्रभाकर ने आरटीसी कर्मचारियों से हड़ताल खत्म करने की अपील की

हैदराबाद, 22 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) कर्मचारियों से चल रही हड़ताल खत्म करने की अपील करते हुए उनसे लोगों की भलाई और संगठन को बचाने को प्रार्थमिकाता देने का आग्रह किया।

श्री प्रभाकर ने एक बयान में कहा कि सरकार ने पहले ही मुख्य मुद्दों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय चार सदस्यों की समिति बनाई है और उसे चार हफ्तों के अंदर अपनी रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि समिति फैसलों में देरी करने के लिए बनाई गई थी, और कहा कि कर्मचारियों की उठाई गई 32 मांगों में से 29 को तुरंत हल किया जा सकता है।

श्री प्रभाकर ने साफ किया कि सिर्फ दो मुद्दे

आरटीसी का सरकार में विलय और मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियनों के चुनाव अपने तकनीकी और जटिल कार्यों के कारण लंबित हैं। उन्होंने कहा कि इन पर पूरी तरह से समीक्षा के बाद सीधे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से बात की जाएगी।

उन्होंने सरकार के उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए कहा कि 2017 के पीआरसी बकाया और महंगाई भत्ते जैसे लंबित बकाया का समाधान

इसके साथ ही 2013 के पुराने बॉन्ड भी भुगतान कर दिया गया हैं। भविष्य निधि कोष बकाया को 1,205 करोड़ रुपये से घटाकर 600 करोड़ रुपये कर दिया गया, जबकि सीसीएस ड्यूज़ को 690 करोड़ रुपये से घटाकर 300 करोड़ रुपये कर दिया गया, और इन देनदारियों के लिए हर महीने 75 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 4,538 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया

लगभग पूरा होने वाली है, जबकि 1,134 शिकायत केन्द्र शुरू कर दिए गए हैं। पिछली सरकार के दौरान निकाले गए लगभग 250 कर्मचारियों को भी वापस रखा गया है।

श्री प्रभाकर ने सार्वजनिक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि आरटीसी रोज़ाना लगभग 65 लाख यात्रियों के लिए जीवनरेखा का काम करता है, जिसमें 45 लाख महिलाएं शामिल हैं, खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर तबके से। उन्होंने कहा कि हड़ताल कोई समाधान नहीं है। इससे केवल उन गरीबों को परेशानी होगी जो आरटीसी सेवाओं पर निर्भर हैं।

मंत्री ने कर्मचारियों से उनसे काम पर लौटने और सरकार के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम सभी मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए हम जनता को परेशानी पहुँचाए बिना मिलकर काम करें।

लगभग पूरा होने वाली है, जबकि 1,134 शिकायत केन्द्र शुरू कर दिए गए हैं। पिछली सरकार के दौरान निकाले गए लगभग 250 कर्मचारियों को भी वापस रखा गया है।

श्री प्रभाकर ने सार्वजनिक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा कि आरटीसी रोज़ाना लगभग 65 लाख यात्रियों के लिए जीवनरेखा का काम करता है, जिसमें 45 लाख महिलाएं शामिल हैं, खासकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर तबके से। उन्होंने कहा कि हड़ताल कोई समाधान नहीं है। इससे केवल उन गरीबों को परेशानी होगी जो आरटीसी सेवाओं पर निर्भर हैं।

मंत्री ने कर्मचारियों से उनसे काम पर लौटने और सरकार के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हम सभी मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए हम जनता को परेशानी पहुँचाए बिना मिलकर काम करें।

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

स्व. श्री श्यामलालजी अग्रवाल
की मासिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
समस्त मंगल परिवार, निजामपुर वाले

वितरण स्थल : मेट्रो प्लिज़ नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

